

506 (30)

7

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला सीधी (म0प्र0)

क्रमांक/पुअ0/सीधी/शिका/प्रति/ 80 /2009 दिनांक 04/05/09 प्रति,

निदेशक

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, छठी मंजिल, 'बी' विंग, लोकनायक भवन खान मार्केट, नई दिल्ली ।

विषय :- आवेदक श्यामलाल सिंह पिता नैपाल सिंह गौड सा0 सिलवार थाना मझौली जिला सीधी द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र की जांच के संबंध में ।

संदर्भ :- आपका पत्र क्र0/मप्र/एसटी 25/2006/अत्याचार/आयू 3 दिनांक 27.10.08

विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से बिषयांकित शिकायत पत्र जांच हेतु प्राप्त हुई जिसकी जांच कराई गई जिसका प्रतिवेदन विन्दुवार निम्नानुसार है :-

1/आवेदक का नाम व पता:-श्यामलाल सिंह पिता नैपाल सिंह गौड सा0 सिलवार थाना मझौली जिला सीधी ।

2/आरोपी गणों का नाम वल्दियत एवं पता :- रामहित सा0 गिजवार ।

3/आवेदक द्वारा लगाए गए आरोप :-मृतक दिनेश प्रताप सिंह की संदेहास्पद मृत्यु की जांच बावत् ।

4/जांचकर्ता अधिकारी का नाम:-श्री आर0एस0आर0या उप पुलिस अधी0 अजाक0 जिला सीधी ।

5/जांच में पाए गए तथ्य :- शिकायत पत्र की जांच कराई गई । जांच पर पाया गया कि दिनांक 19.10.05 को सूचनाकर्ता हीरालाल सिंह सा0 सिलावट की सूचना पर कि दिनेश प्रताप सिंह स्वयं की चक्की घर में फासी लगाकर आत्महत्या कर लिया है । सूचना पर मर्ग क्र0 105/05 धारा 174 जाफौ0 कायम कर जांच में लिया जाकर शव का पंचनामा एवं पीएम0 कराया गया । प्राप्त पीएम0 रिपोर्ट में डाक्टर ने "mode of death was ASPHYXIA and nature of death ANTIMORTEM HANGING" लेख किया है । दौरान मर्ग जांच पाया गया कि मृतक दिनेश प्रताप सिंहकी आटा चक्की में इतनी पिसाई नहीं होती थी कि बिजली के बिल का भुगतान कर सके बिल ज्यादा हो जाने एवं कही से मदद न मिलने से परेशान होने की वजह से मृतक दिनेश प्रताप सिंह अपने चक्की में फासी लगाकर आत्महत्या किया है ।

6/जांच का निष्कर्ष :-सम्पूर्ण जांच पर प्राया गया कि सूचनाकर्ता हीरालाल सिंह की सूचना पर मर्ग क्र0 105/05 धारा 174 जाफौ0 कायम कर जांच में लिया जाकर शव का पंचनामा एवं पीएम0 कराया गया । प्राप्त पीएम0 रिपोर्ट में डाक्टर ने "mode of death was ASPHYXIA and nature of death ANTIMORTEM HANGING" लेख किया है । दौरान मर्ग जांच पाया गया कि मृतक दिनेश प्रताप सिंहकी आटा चक्की में इतनी पिसाई नहीं होती थी कि बिजली के बिल का भुगतान कर सके बिल ज्यादा हो जाने एवं कही से मदद न मिलने से परेशान होने की वजह से मृतक दिनेश प्रताप सिंह अपने चक्की में फासी लगाकर आत्महत्या किया है । आवेदक द्वारा लगाये गये आरोप अप्रमाणित पाये गये हैं । अतः अंतिम जांच प्रतिवेदन मय मूल शिकायत पत्र के अवलोकनार्थ सादर प्रेषित है ।

संलग्न :- जांच प्रतिवेदन मय मूल शिकायत पत्र

पुलिस अधीक्षक जिला सीधी(म0प्र0)

22/6/09
8/09
Rokull